Hindi Murli Quiz 30-10-2015

.

Q.1) **उनके एवज में तुमको फिर विश्व की बादशाही देता हूँ। मैं नहीं लेता हूँ। मेरा ही पार्ट है साक्षात्कार कराने का। साक्षात्कार होने से कितना खुश हो जाते हैं। मिलता कुछ भी नहीं। ऐसे नहीं कि साक्षात्कार से कोई निरोगी बन जाते हैं या धन मिल जाता है।**

A. True
B. False

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	जो सदा स्वदर्शन चक्रधारी हैं वह	माया के अनेक प्रकार के चक्रों से मुक्त रहते हैं।
B	एक स्वदर्शनचक्र अनेक	अनेक व्यर्थ चक्रों को खत्म करने वाला है, माया को भगाने वाला है।
C	स्वदर्शन चक्रधारी बच्चे सदा सम्पन्न होने के कारण	अचल रहते हैं। स्वयं को मालामाल अनुभव करते हैं।
D	माया खाली करने की कोशश करती हैं लेकिन	वे सदा खबरदार, सुजाग, जागती ज्योत रहते हैं इसलिए माया कुछ भी कर नहीं पाती।
E	जिसके पास अटेन्शन रूपी	चौकीदार सुजाग हैं वही सदा सेफ हैं।

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है	इतने सब धर्म कैसे आते हैं!
B	बाबा को कहा - यह दिव्य दृष्टि की चाबी हमको दे दो तो हम कोई को साक्षात्कार करा दें।	बोला - नहीं, यह चाबी किसको मिल नहीं सकती।
C	मीरा को साक्षात्कार हुआ परन्तु	मुक्ति को थोड़ेही पाया।
D	विनाश भी देखा फिर राजाई का भी देखा तब	निश्चय बैठा ओहो! मैं तो विश्व का मालिक बनता हूँ।
E	जो ज्ञान उठाते हैं	उनकी फिर भक्ति छूट जाती है।
F	उन्होंने फिर ब्रह्म ज्ञानी तत्व ज्ञानी नाम रख दिया है। ब्रह्म तत्व तो है रहने का स्थान।	तो बाप समझाते हैं कितनी भारी भूल कर दी है। यह सब है भ्रम।

Q.4) **आपके __ ऐसे समर्थ हों जिसमें शुभ व श्रेष्ठ भावना समाई हुई हो।**

A. बोल
B. संकल्प
C. कर्म

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	तुम ब्रह्माकुमार-कुमारियों का उद्देश्य वा शुद्ध भावना कौनसी है?	कल्प 5 हज़ार वर्ष पहले की तरह फिर से श्रीमत पर विश्व में सुख और शान्ति का राज्य स्थापन करना।
B	वहाँ याद करना होता है क्या?	दु:ख की फरियाद वहाँ होती ही नहीं।
C	यहाँ भारतवासियों को कुछ पता नहीं है-हमारा धर्म कब और किसने स्थापन किया?	इसलिये कहा जाता है ब्लाइन्डफेथ।
D	हम सो का अर्थ कौनसा राइट है?	हम आत्मा चक्र में ऐसे आती हैं।
E	सतयुग में फट से देवता वर्ण कैसे हुआ?	कुछ भी समझते नहीं।

Q.6) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. ☐ क्राइस्ट बुद्ध आदि आये, उन्होंने अपना-अपना धर्म स्थापन किया, तिथि-तारीख सब बताते हैं। वहाँ भी ब्लाइन्डफेथ की ही बात है।

B. ☑ हथियार पंवार तो कुछ नहीं हैं। दैवीगुण धारण करते हैं इसलिए तुम्हारा ही गायन पूजन है।

C. ☑ हम सो का अर्थ बहुत लम्बा-चौड़ा है। हम सो ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय।

D. ☑ वह पीस प्राइज़ लेकर खुश होते रहते हैं, मिलता कुछ भी नहीं। सच्ची-सच्ची प्राइज़ तो अभी हम बाप से ले रहे हैं, विश्व के बादशाही की।

E. ☑ अम्बा को बहुत भुजायें दे देते हैं। ऐसे तो है नहीं। इसको कहा जाता है ब्लाइन्ड फेथ।

Explanation: क्राइस्ट बुद्ध आदि आये, उन्होंने अपना-अपना धर्म स्थापन किया, तिथि-तारीख सब बताते हैं। वहाँ ब्लाइन्डफेथ की तो बात ही नहीं।